



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2832]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 18, 2013/अग्राहायण 27, 1935

No. 2832]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 18, 2013/AGRAHAYANA 27, 1935

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(विदेश व्यापार महानिदेशालय)
अधिसूचना
नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 2013

सं. 58 (आर.ई.-2013)/2009-2014

विषय : विदेश व्यापार नीति, 2009-14 के पैरा 9.28 में संशोधन।

का.आ. 3722(अ).—समय-समय पर यथासंशोधित, विदेश व्यापार नीति, 2009-14 के पैरा 1.3 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा, विदेश व्यापार नीति, 2009-14 के पैरा 9.28 में निम्नलिखित संशोधन करती है :

2. विदेश व्यापार नीति, 2009-14 के पैरा 9.28 में "समूह कम्पनी" की परिभाषा को संशोधित किया गया है, जो इस प्रकार है:

"समूह कम्पनी" का अभिप्राय दो या दो से अधिक उद्यमों से है, जो प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से निम्नलिखित कार्य करने की स्थिति में होते हैं:—

- (क) अन्य उद्यम में छब्बीस प्रतिशत या इससे अधिक मताधिकार का प्रयोग; अथवा
- (ख) अन्य उद्यम में निदेशक बोर्ड के पचास प्रतिशत से अधिक सदस्यों की नियुक्ति।

ऊपर प्रयोग किए गए शब्द 'उद्यम' में (i) पब्लिक लिमिटेड कम्पनी, (ii) प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी और (iii) लिमिटेड लाइबिलिटी पार्टनरशिप (एलएलपी) शामिल होंगी परन्तु कोई पार्टनरशिप फर्म अथवा प्रोप्राइटरशिप फर्म नहीं।

समूह कम्पनियों के लिए लाभ का दावा करने अथवा समूह के अन्य सदस्य द्वारा लाभ का दावा किए जाने हेतु उनके निर्यात की गणना के लिए, समूह कम्पनी को विदेश व्यापार नीति में अधिसूचित किसी निर्यात संवर्धन स्कीमों के तहत आवेदन की तारीख से कम से कम 2 वर्ष पहले अस्तित्व में होना चाहिए।

3. इस अधिसूचना का प्रभाव:

विदेश व्यापार नीति के पैरा 9.28 में "समूह कम्पनी" की परिभाषा में लिमिटेड लाइबिलिटी पार्टनरशिप (एलएलपी) को शामिल करने हेतु संशोधन किया गया है। "समूह कम्पनी" की परिभाषा के दायरे में न तो पार्टनरशिप फर्म और न प्रोप्राइटरशिप फर्म आएगी।

[फा.सं. 01/93/180/58/एम-09/पीसी-2(बी) पार्ट]

अनुप के. पूजारी, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 18th December, 2013

No. 58 (RE-2013)/2009—2014**Subject: Amendment in Para 9.28 of Foreign Trade Policy, 2009—2014.**

S.O. 3722 (E).— In exercise of powers conferred under Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 read with paragraph 1.3 of the Foreign Trade Policy, 2009—2014, as amended from time to time, the Central Government hereby notifies the following amendment in the Para 9.28 of Foreign Trade Policy, 2009—2014:

2. The definition of “Group Company” in Para 9.28 of Foreign Trade Policy, 2009—2014 is amended to read as under:

“Group Company” means two or more enterprises which, directly or indirectly, are in a position to :—

- (a) exercise twenty-six per cent or more of voting rights in other enterprise; or
- (b) appoint more than fifty per cent of members of board of directors in the other enterprise.

The term ‘Enterprise’ used above would include (i) Public Limited Company, (ii) Private Limited Company and (iii) Limited Liability Partnership (LLP), but not a partnership firm or a proprietorship firm.

For group companies to claim benefits or have their exports counted for benefits to be claimed by another member of group, the group company should have been in existence at least 2 years prior to date of application under any of export promotion schemes notified in FTP.

3. **Effect of this Notification:**

Para 9.28 of FTP has been amended to include Limited Liability Partnerships (LLPs) in the definition of “Group Company”. Neither partnership nor proprietorship firm would come within the ambit of definition of a “Group Company”.

[F. No. 01/93/180/58/AM-09/PC-2(B) Part]

ANUP K. PUJARI, Director General of Foreign Trade